निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर उनसे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

2. जब कोई युवा अपने घर से बाहर निकलता है तो पहली कठिनाई उसे मित्र चुनने में पड़ती है। यदि उसकी स्थिती बिलकुल एकांत और निराली नहीं रहती तो उसकी जान-पहचान के लोग धड़ाधड़ बढ़ते जाते हैं और थोड़े ही दिनों में कुछ लोगों से उसका हेल-मेल बढ़ते-बढ़ते मित्रता के रूप में परिणत हो जाता है। मित्रों के चुनाव की उपयुक्तता पर उसके जीवन की सफलता निर्भर हो जाती है, क्योंकि संगति का गुप्त प्रभाव हमारे आचरण पर बड़ा भारी पड़ता है। हम लोग ऐसे समय में समाज में प्रवेश करके अपना कार्य आरंभ करते हैं, जबकि हमारा चित्त कोमल और हर तरह का संस्कार ग्रहण करने योग्य रहता है। हमारे भाव अपरिमार्जित और हमारी प्रवृत्ति अपरिपक्व रहती है। हम लोग कच्ची मिट्टी की मूर्ति के समान रहते हैं, जिसे जो जिस रूप में चाहे, उस रूप में ढाले-चाहे राक्षस बनाए, चाहे देवता।

प्रश्न- 1. घर से निकलने पर किसी युवा को पहली कठिनाई क्या होती है?

(क) खान-पान की
(ख) मित्र चुनना
(ग) रहने को घर
(घ) धन की कमी

2. हेल-मेल बढ़ते-बढ़ते किस रूप में परिणत हो जाता है?

(क) जान-पहचान के रूप में
(ख) शत्रुता के रूप में
(ग) सफलता के रूप में
(घ) मित्रता के रूप में

3. हमारे आचरण पर किसका भारी प्रभाव पड़ता है?

(क) संगति का
(ख) समाज का
(ग) मित्रों का
(घ) संबंधियों का

4. किस अवस्था में हमारे भाव अपरिमार्जित और हमारी प्रवृत्ति अपरिपक्व रहती है?

(क) बाल्यावस्था में
(ख) वृद्धावस्था में
(ग) युवावस्था में
(घ) बचपन में

5. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक बताइए।

(क) युवावस्था और मित्रता
(ख) युवाओं के मित्र
(ग) युवाओं का जीवन
(घ) युवा वर्ग